राज्यपाल सचिवालय
राज भवन, राजस्थान, जयपुर

———————————

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय का 14 वां दीक्षान्त समारोह

ई व डिजीटल ट्रांजेक्शन में विश्वविद्यालय बनें अग्रणी

राज्यपाल श्री कल्याण सिंह की पहल

जयपुर, 03 दिसम्बर। आर्थिक क्रान्ति के बदलते समय में ई व डिजीटल ट्रांजेक्शन में राज्य के विश्वविद्यालय अग्रणी बनें। राजस्थान के राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कल्याण सिंह ने शनिवार को जोधपुर में जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के दीक्षान्त समारोह में इस सम्बंध में राज्य में पहल करने के लिए राज्य के वि वविद्यालयों का आह्वान कर क्रियान्वयन के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

राज्यपाल ने जब समारोह में अपने सम्बोधन में ई एवं डिजीटल ट्रांजेक्शन के लिए लोगों को प्रेरित किया तो पूरे सभागार में उपस्थित लोगों ने तालियां बजाकर इसका समर्थन किया। देश में राजस्थान पहला राज्य है, जहां राज्यपाल ने ई एवं डिजीटल ट्रांजेक्शन के लिए वि वविद्यालयों को निर्दे ा दिये हैं।

राज्यपाल ने कहा कि इस समय देश में आर्थिक क्रान्ति हो रही है, नया प्रयोग हो रहा है। कोई नया काम और इतने बड़े नये काम में थोड़ी परेशानी तो होती है। थोड़े दिनों के बाद नोटबंदी का लाभ उन्हीं लोगों को मिलेगा जो लाइनों में खड़े रहे हैं। कालेधन का आतंकवादियों, नक्सलवादियों के पास फर्जी करेंसी का विकृत रूप से उपयोग हो रहा था। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रहित, गरीबो व किसानों के हित में फैसला किया है। ऐतिहासिक आर्थिक क्रांति के युग का हम स्वागत करना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा फीस, छात्रवृति, वेतन और अन्य व्यय आदि के लिए शत प्रतिशत नकद विहीन (कैशलेस) लेनदेन करना सुनिश्चित किया जाए। विश्वविद्यालय से जुड़ा प्रत्येक व्यक्ति चाहे अध्यापक हो, विद्यार्थी हो अथवा कर्मचारी सभी पढे लिखे और बुद्धिजीवी होते हैं। इसमें से प्रत्येक की जिम्मेदारी बनती है कि वे व्यक्तिगत लेनदेन और बाजार में खरीद फरोख्त में ई–ट्रांजेक्शन व डिजीटल ट्रांजेक्शन का उपयोग करें, यह ट्रांजेक्शन पूर्णतः सरल, सुविधाजनक एवं सुरक्षित है।

राज्यपाल ने कहा कि मैं यह भी अपेक्षा करूंगा कि विश्वविद्यालय का प्रत्येक विद्यार्थी, अध्यापक और कर्मचारी स्वयं तो ई एवं डिजीटल ट्रांजेक्शन से जुड़े ही, साथ ही प्रत्येक कम से कम पचास व्यक्तियों को इस ट्रांजेक्शन के अधिकाधिक इस्तेमाल के लिए प्रेरित एवं प्रशिक्षित करें। उन्होंने कहा कि मैं यह भी चाहता हूं कि पूरे देश के विश्वविद्यालयों में जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय पहला ऐसा विश्वविद्यालय बने जो प्रधानमंत्री के ई–ट्रांजेक्शन व डिजीटल ट्रांजेक्शन अभियान में रोल मॉडल के रूप में जाना जाए।

उन्होंने कहा कि कुलपति से यह भी अपेक्षा है कि वे इसकी सफलता के लिए मार्गदर्शक की भूमिका निभाएं। इसके लिए शिविर, सेमीनार, वर्कशॉप और जागरूकता सम्मेलन आयोजित करे और यह आंकड़े भी एकत्रित करके रखें कि विश्वविद्यालय द्वारा कितने आमजन को ई एवं डिजीटल ट्रांजेक्शन के बारे में प्रशिक्षित किया। कालेधन के खिलाफ प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई इस जंग की सफलता में विश्वविद्यालय पूरे देश में अनुकरणीय बने।

———————————